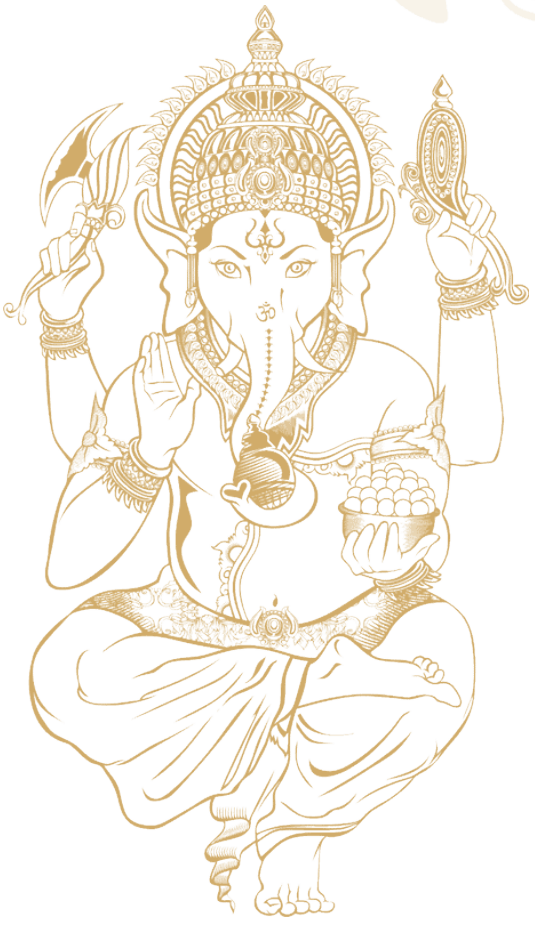

Mr. Aditya

Ms. Nandini

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119065104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
6-07/06/1997	जन्म तिथि	05/05/2001
शुक्र-शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 02:10:00	जन्म समय	18:45:00 घंटे
घटी 52:17:01	जन्म समय(घटी)	33:06:27 घटी
India	देश	India
Kotdwara	स्थान	Meerut
29:44:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
78:33:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:48	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:15:11	सूर्योदय	05:34:59
19:14:21	सूर्यास्त	18:57:16
23:49:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 11वर्ष 7मा 23दि	26:00:16	मीन	लग्न	तुला	19:27:33	मंगल 6वर्ष 0मा 3दि
शनि	22:20:28	वृष	सूर्य	मेष	21:13:49	गुरु
29/01/2025	11:22:19	मिथु	चंद्र	कन्या	25:13:14	09/05/2025
30/01/2044	01:09:22	कन्या	मंगल	धनु	04:57:10	09/05/2041
शनि 02/02/2028	02:34:53	वृष	बुध	वृष	04:52:18	गुरु 27/06/2027
बुध 12/10/2030	28:06:15	मक	गुरु	वृष	20:35:51	शनि 07/01/2030
केतु 21/11/2031	09:27:36	मिथु	शुक्र	मीन	11:41:45	बुध 14/04/2032
शुक्र 20/01/2035	24:01:17	मीन	शनि	वृष	07:55:33	केतु 21/03/2033
सूर्य 02/01/2036	01:09:37	कन्या व	राहु व	मिथु	13:48:48	शुक्र 20/11/2035
चन्द्र 03/08/2037	01:09:37	मीन व	केतु व	धनु	13:48:48	सूर्य 07/09/2036
मंगल 11/09/2038	14:36:37	मक व	हर्ष	कुंभ	00:43:47	चन्द्र 07/01/2038
राहु 18/07/2041	05:48:22	मक व	नेप	मक	14:53:54	मंगल 14/12/2038
गुरु 30/01/2044	10:04:19	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	20:48:44	राहु 09/05/2041

लग्न-चलित

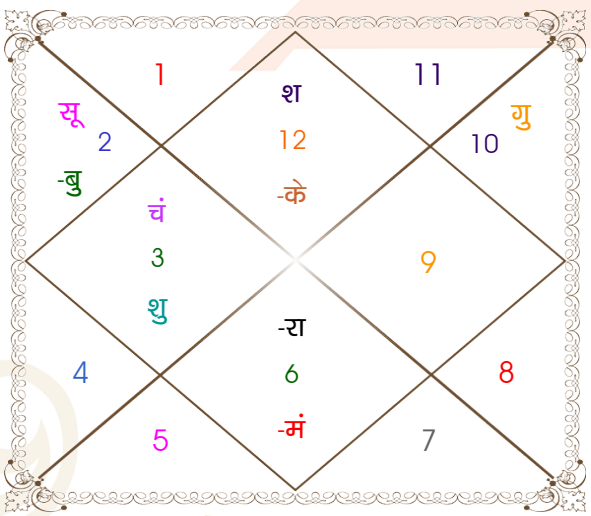

लग्न-चलित

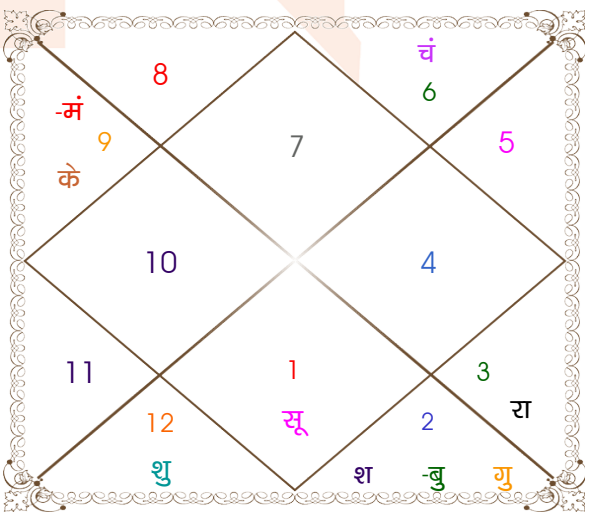

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डतण ।कपजलं का वर्ग मार्जार है तथा डेण छंदकपदप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।कपजलं और डेण छंदकपदप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।कपजलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण ।कपजलं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतण ।कपजलं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण छंदकपदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण छंदकपदप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ।कपजलं तथा डेण छंदकपदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।